संगीत - स्वरवाद्य में स्नातक(बी0ए0)				
उद्देश्य - इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संगीत(स्वरवाद्य) के प्रयोगात्मक पक्ष का ज्ञान देकर उनमें शास्त्रीय संगीत के ज्ञान की नीव डालना है।				
पंचम सेमेस्टर का वैकल्पिक पाठ्यक्रम				
तृतीय वर्ष	**कोर्स शीर्षक**	**कोर्स कोड**	**अंक**	**श्रेयांक**
	प्रयोगात्मक एवं मौखिकी- स्वरवाद्य	**BAMI(N)-330**	**100**	**4**
	इकाई 1- पाठ्यक्रम के रागों यमन, भैरव, शुद्ध सारंग, बागेश्री एवं देस का परिचय एवं स्वर विस्तार।			
	इकाई 2- पाठ्यक्रम के रागों यमन, भैरव, शुद्ध सारंग, बागेश्री एवं देस में मसीतखानी/विलम्बित गत एवं रजाखानी/द्रुत गत आलाप एवं तोड़े सहित।			
	इकाई 3- पाठ्यक्रम के रागों यमन, भैरव, शुद्ध सारंग, बागेश्री एवं देस में से किन्ही दो रागों में एक द्रुत गत तीनताल के अतिरिक्त किसी अन्य ताल में।			
	इकाई 4- पाठयक्रम की तालों एकताल, दादरा एवं दीपचंदी की ठाह सहित विभिन लयकारियों की पढ़ंत।			
	इकाई 5- पाठ्यक्रम के रागों यमन, भैरव, शुद्ध सारंग, बागेश्री एवं देस में बंदिश की रचना करने की क्षमता।			
	इकाई 6- पाठ्यक्रम सम्बन्धित प्रयोगात्मक एवं मौखिक परीक्षा।			
राग – यमन, भैरव, शुद्ध सारंग, बागेश्री एवं देस		**ताल- एकताल, दादरा एवं दीपचंदी**		
नोट- पूर्व सेमेस्टरों के पाठ्यक्रम (प्रयोगात्मक) की पुनरावृत्ति				